Publication: The Economic Times - Hindi

Headline: Sone mein tezi bani amiron ke liye kamai ka mauka

Edition: Pan India

Date: 12th September 2011

Coverage

सोने में तेजी बनी अमीरों के लिए कमाई का मौका

कीमत बढ़ने पर बेचना, कम होने पर सोने में निवेश के जरिए जमकर कमा रहे हैं रईस निवेशक

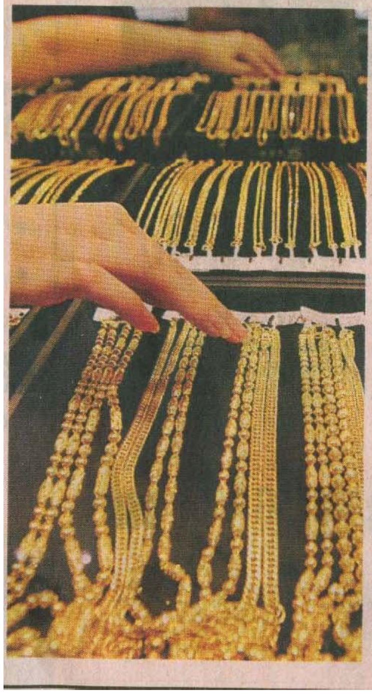

राम सहगल

मुंबई

आम आदमी भले ही सोने की बढ़ती कीमत से परेशानी महसूस कर रहा हो, लेकिन अमीरों के लिए यह कमाई का एक अच्छा मौका निकल कर सामने आया है। करीब दो महीने पहले जिन लोगों ने सोना खरीदा था, अब वे उसे बेच कर कमाई कर चुके हैं। दरअसल सोने की कीमत जिन दिनों रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची, उन्होंने उसे बेच दिया, फिर कीमत गिरने के बाद उसे खरीद लिया। इस आर्बिट्राज के जरिए वे सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव का फायदा उठाने में सफल रहे।

सोने के बार की बिक्री का फायदा उठाने वाले लोगों में बुलियन ट्रेडर भी शामिल थे। दरअसल बैंक जिस दर पर गोल्ड बार खरीदते हैं, बुलियन डीलर उससे भी कम दाम में बार खरीद लेते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने 32 सरकारी, निजी और विदेशी बैंकों को गोल्ड बार के लिए अधिकृत किया है। ये बैंक विदेश से कंसाइनमेंट बेसिस पर गोल्ड बार मंगाते हैं और उसे घरेलू बाजार में बेचते हैं। स्थानीय बैंक सोना खरीदने वाले लोगों से कस्टम ड्यूटी और नाममात्र का कमीशन लेकर उसे बेच देते हैं और विदेशी सप्लायरों को फंड भेज देते हैं।

अहमदाबाद की पार्कर बुलियन के निदेशक वासु आचार्य ने कहा, 'पूरे देश के बुलियन डीलर स्थानीय बाजार से बैंक की तुलना में सस्ता सोना खरीद रहे हैं क्योंकि निवेशक इस स्तर पर मुनाफावसूली करने में जुटे हैं।' उन्होंने कहा, 'बैंक रेट की तुलना में मंगलवार तक सोना स्थानीय स्तर पर 200 रुपए डिस्काउंट पर उपलब्ध था।'

भारत सोने के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर से कीमत का संकेत प्राप्त करता है। दरअसल, यहां बेचे जाने वाले सोने की कीमत न्यूयॉर्क और लंदन के बाजारों से तय होती है। पिछले एक दशक से कमोडिटी की कीमत में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है और अब यूरोपीय कर्ज संकट और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका की वजह से इसकी कीमत में और तेजी आ रही है। स्थानीय स्तर पर मौद्रिक उतार-चढ़ाव की वजह से सोने की कीमतों में बदलाव दर्ज होता है।

एक जुलाई से अब तक मुंबई में सोने की कीमत में 30 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जा चुकी है और इसकी कीमत 28,451 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। इसे अगर किलोग्राम के लिहाज सें देखा जाए तो सिर्फ 51 दिनों में सोने की कीमत प्रति किलोग्राम 6.6 लाख रुपए बढ़ चुकी है। एक किलोग्राम और 100 ग्राम के गोल्ड बार की मांग अधिकतर अमीर या रईस परिवारों से ही आती है।

“ **वासु आचार्य**, निदेशक, पार्कर बुलियन

पूरे देश के बुलियन डीलर स्थानीय बाजार से बैंक की तुलना में ग्राहकों से ही सस्ता सोना खरीद रहे हैं क्योंकि निवेशक सोने के भाव के इस स्तर पर जाने के बाद मुनाफावसूली करने में जुटे हैं

इन्हें एचएनआई या अल्ट्रा एचएनआई भी कह सकते हैं। ऋद्धि सिद्धि बुलियन के एवीपी करण वासा ने कहा, 'मौजूदा कीमत पर निवेशक सोने के बार बेचकर मुनाफावसूली कर रहे हैं। एक बार जब सोने की कीमत में गिरावट आती है तो निवेशक दोबारा गोल्ड बार खरीदने लगते हैं। आजकल बाजार में यह ट्रेंड जोर पकड़ रहा है।' वासा का अनुमान है कि सोने की कीमत दिवाली तक 30,000 रुपए 10 ग्राम पर पहुंच सकती है।

एक सरकारी बैंक के अधिकारी ने बताया कि जब सोने की कीमत बढ़ती है तो निवेशकों द्वारा गहने और गोल्ड बार बेचे जाने की वजह से कीमतों में अंतर आता है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेंड में कोई खास बदलाव नहीं आया है। पिछले कुछ दिनों से जहां सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है, स्विस सेंट्रल बैंक ने एक यूरो के बदले 1.20 फ्रैंक की सीमा तय कर दी है और साथ ही उसने कहा है कि वह भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खरीदने पर विचार कर रहा है। इससे यूरो में कमजोरी दर्ज हुई है और डॉलर मजबूत हुआ है। इससे सोने की कीमत पर असर देखा जा रहा है।